CJ DARCL BULLETIN

COMPANY'S NEWS

READY TO GO THE DISTANCE

CJ DARCL PARTNERS WITH CROCS

We are excited to embark on a new journey with **crocs**; one of the largest American multinational footwear companies in the world.

CJ Darcl will be the warehousing and last mile delivery partner for them in India.

हम दुनिया की सबसे बड़ी अमेरिकी बहुराष्ट्रीय फुटवियर कंपनियों में से एक - **crocs** के साथ एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्साहित हैं

CJ Darcl भारत में उनके लिए वेयरहाउसिंग और लास्ट माइल डिलीवरी पार्टनर होगा।

CJ DARCL TIE-UP WITH COLLEGES FOR CAMPUS PLACEMENT

CJ Darcl's Recruitment team has tied up with various colleges for campus placement.

This project is spearheaded by recruitment team member, Nidhi Kakkar, under the guidance of Mr. Manish Gupta and Mr. Jagdish Prasad (IT).

Placement drives with few colleges were conducted last month -

- JNU Delhi
- Central University, Mahendergarh
- Guru Jambeshwar Hisar
- BRCM Bahal (Bhiwani)

CJ Darcl की recruitment टीम ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए विभिन्न कॉलेजों के साथ करार किया है।

इस परियोजना का नेतृत्व श्री मनीष गुप्ता और श्री जगदीश प्रसाद (IT) के मार्गदर्शन में recruitment टीम की सदस्य निधि कक्कड़ द्वारा किया गया है।

पिछले महीने कुछ कॉलेजों के साथ प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए गए थे –

- JNU Delhi
- Central University Mahendergarh
- Guru Jambeshwar Hisar
- BRCM Bahal (Bhiwani)

भविष्य में कैंपस प्लेसमेंट के लिए कुछ और कॉलेजों के साथ भी बातचीत चल रही है –

- The Technological Institute of Textile & Sciences - Bhiwani
- OM Sterling Global University - Hisar
- Maharishi Markandeshwar, Mullana - Ambala
- Dronacharya College of Engineering, Khentawas - Gurgaon
- BML - Munjal
- UPES - Dehradun
- IIM - Jammu / Bodhgaya / Nagpur

BENCH STRENGTH DEVELOPMENT

CJ Darcl have decided to develop a bench strength of key operational roles (Like Loading Supervisor, Computer Operator etc.) to fill up any vacant positions immediately.

What is Bench Strength: The number of employees work ready to fill urgent requirements.

Currently we have a batch of 15 students, from TCI Institute, undergoing training for loading supervisors at Hisar, ready to be deployed on an immediate basis to any vacant position.

Having a bench strength not only saves the organization from the loss incurred if the position stays empty for too long; it also helps to provide well trained employees for the post.

संगठन ने किसी भी रिक्त पदों को तुरंत भरने के लिए प्रमुख परिचालन (operation) भूमिकाओं (जैसे लोडिंग सुपरवाइज़र, कंप्यूटर ऑपरेटर आदि) की एक बेंच स्ट्रेंथ विकसित करने का निर्णय लिया है।

बेंच स्ट्रेंथ क्या है: तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार कर्मचारियों की संख्या।

इस समय हमारे पास TCI संस्थान से 15 छात्रों का एक दल है, जो हिसार में लोडिंग सुपरवाइज़र के लिए प्रशिक्षण ले रहा है; किसी भी रिक्त पद पर तत्काल आधार पर तैनात होने के लिए।

बेंच स्ट्रेंथ न केवल संगठन को किसी भी अवधि के लिए पद खाली रहने पर होने वाले नुकसान से बचाता है, यह पद के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों को प्रदान करने में भी मदद करता है।

CELEBRATION OF GANESHOTSAV AT MUMBAI OFFICE

On the auspicious occasion of Ganesh Chaturthi, our Mumbai Office celebrated Ganeshotsav. Ganesh Sthapana was on 10th Sept and Visarjan was on 14th.

The utsav was arranged by the cultural committee members Jyoti Singh, Subham Aggarwal, Surya Praksh Singh, Sweta Pandey, Ankit Sastri, Mohit Sharma & Supriya Gaikwad.

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर हमारे मुंबई कार्यालय में गणेशोत्सव मनाया। गणेश स्थापना 10 सितंबर को की गयी और विसर्जन 14 सितंबर को हुआ।

उत्सव का आयोजन सांस्कृतिक समिति के सदस्य ज्योति सिंह, शुभम अग्रवाल, सूर्य प्रकाश सिंह, श्वेता पांडे, अंकित शास्त्री, मोहित शर्मा और सुप्रिया गायकवाड़ ने किया।

DANGEROUS GOODS CERTIFICATION

2 members of Air Cargo team have completed the Dangerous Goods Regulations Category-3 (DGRC-3) Certification.

Congratulations to both, Mr. Amit Gupta (Manager) & Mr. Vikas Sharma (Sr. Officer).

एयर कार्गो टीम के 2 सदस्यों ने डेंजरस गुड्स रेगुलेशन कैटेगरी-3 (DGRC-3) सर्टिफिकेशन पास कर लिया है।

श्री अमित गुप्ता (Manager) और श्री विकास शर्मा (Sr. Officer) को बधाई।

"CJ Darcl के *Training Department* ने कर्मचारियों के विकास के लिए विभिन्न ट्रेनिंग की योजना बनाई है।
ट्रेनिंग विभिन्न शहरों में होंगी। कुछ ट्रेनिंग व्यक्तिगत रूप से दी जाएंगी और कुछ ऑनलाइन होंगी।
सभी कर्मचारियों की भागीदारी अनिवार्य है।"

- Amit Jindal, Sr. Manager-Corp. HR

LOGISTICS INDUSTRY NEWS

GOOGLE CLOUD'S SUPPLY CHAIN TWIN TO BE POWERED BY PROJECT44

project44, the leader in real-time supply chain visibility and a Google Premier Visibility Provider, on 14th Sep announced a new partnership with Google Cloud to provide customers with better, real-time visibility into their supply chains.

Under this partnership, project44 will be the first strategic partner for real-time transportation visibility to integrate its capabilities into Google Cloud's Supply Chain Twin solution.

प्रोजेक्ट44, रीयल-टाइम आपूर्ति श्रृंखला दृश्यता में अग्रणी और Google प्रीमियर दृश्यता प्रदाता, ने 14 सितंबर को ग्राहकों को उनकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बेहतर, रीयल-टाइम दृश्यता प्रदान करने के लिए Google क्लाउड के साथ एक नई साझेदारी की घोषणा की।

इस साझेदारी के तहत, प्रोजेक्ट44 अपनी क्षमताओं को Google क्लाउड की आपूर्ति श्रृंखला जुड़वां समाधान में एकीकृत करने के लिए रीयल-टाइम परिवहन दृश्यता के लिए पहला रणनीतिक भागीदार होगा।

This will provide joint customers with a view into the supply chain network, including data across all modes, existing integrations at scale, and strong relationships with other partners included in the offering.

Google Cloud supply chain solutions, particularly the Supply Chain Twin, deliver end-to-end visibility by bringing together data from various business systems as well as data from the operational systems of the customer and those of their partners. The increased transportation visibility and reporting provided by project44 will provide customers with visibility into data relating to shipments once they have left suppliers, as well as when inventory is moving between warehouses and manufacturing plants, and into customers' hands.

यह संयुक्त ग्राहकों को आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क में एक दृश्य प्रदान करेगा, जिसमें सभी मोड में डेटा, पैमाने पर मौजूदा एकीकरण, और पेशकश में शामिल अन्य भागीदारों के साथ मजबूत संबंध शामिल हैं।

Google क्लाउड आपूर्ति श्रृंखला समाधान, विशेष रूप से आपूर्ति श्रृंखला जुड़वां, विभिन्न व्यावसायिक प्रणालियों के डेटा के साथ-साथ ग्राहक और उनके भागीदारों की परिचालन प्रणालियों के डेटा को एक साथ लाकर एंड-टू-एंड दृश्यता प्रदान करते हैं। प्रोजेक्ट44 द्वारा प्रदान की गई बढ़ी हुई परिवहन दृश्यता और रिपोर्टिंग ग्राहकों को एक बार आपूर्तिकर्ताओं को छोड़ने के बाद शिपमेंट से संबंधित डेटा में दृश्यता प्रदान करेगी, साथ ही जब इन्वेंट्री गोदामों और विनिर्माण संयंत्रों के बीच और ग्राहकों के हाथों में चल रही हो।

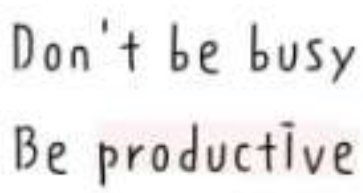

PROJECT44 BUYS CONVEY, IN $255M ACQUISITION

In another news, project44 announced that it has acquired Austin-based Convey, the last-mile technology leader that powers exceptional direct-to-consumer delivery experiences for more than 200 of the world's largest brands.

Convey, recognized as a Challenger, combines real-time visibility, post purchase experiences, and machine learning-powered analytics to improve the overall customer experience.

Together, the two companies now serve the global supply chain end-to-end, providing real-time visibility and actionable insights from raw materials to the front door to help brands deliver differentiated direct-to-consumer and eCommerce experiences for their customers.

एक अन्य समाचार में, प्रोजेक्ट44, ने घोषणा की कि उसने ऑस्टिन-आधारित कॉनवे का अधिग्रहण किया है, जो अंतिम-मील प्रौद्योगिकी नेता है जो दुनिया के 200 से अधिक के लिए असाधारण प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता वितरण अनुभव प्रदान करता है। सबसे बड़े ब्रांड।

कॉनवे, एक चैलेंजर के रूप में मान्यता प्राप्त, समग्र ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए रीयल-टाइम विजिबिलिटी, खरीदारी के बाद के अनुभव और मशीन लर्निंग-पावर्ड एनालिटिक्स को जोड़ती है।

दोनों कंपनियां अब एक साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को एंड-टू-एंड सेवा प्रदान करती हैं, कच्चे माल से वास्तविक समय की दृश्यता और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं ताकि ब्रांडों को अपने ग्राहकों के लिए अलग-अलग प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता और ईकामर्स अनुभव प्रदान करने में मदद मिल सके।

NITIN GADKARI PITCHES FOR FIXED DRIVING HOURS FOR COMMERCIAL TRUCK DRIVERS

The issue of drivers' safety has always been one of the biggest concerns for the industry. In view of this, Union Minister Nitin Gadkari, has pitched for fixed driving hours for commercial truck drivers should be fixed similar to pilots' to reduce fatigue-induced road accidents. He also spoke in favour of installing onboard sleep detection sensors in commercial vehicles for added safety.

ड्राइवरों की सुरक्षा का मुद्दा हमेशा उद्योग के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक रहा है। इसे देखते हुए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने थकान से प्रेरित सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए वाणिज्यिक ट्रक ड्राइवरों के लिए निश्चित ड्राइविंग घंटे पायलटों के समान तय किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने अतिरिक्त सुरक्षा के लिए वाणिज्यिक वाहनों में ऑनबोर्ड स्लीप डिटेक्शन सेंसर लगाने के पक्ष में भी बात की।

Earlier, Gadkari attended the introductory meeting of new members nominated to the National Road Safety Council (NRSC). The minister also said he has now directed the council to meet every two months and share their updates.

इससे पहले, गडकरी ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद (NRSC) के लिए नामित नए सदस्यों की परिचयात्मक बैठक में भाग लिया। मंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने अब परिषद को हर दो महीने में बैठक करने और अपने अपडेट साझा करने का निर्देश दिया है।

About one-fourth of the truck drivers featured in a 2018 study conducted by lubricant manufacturer Castrol complained of sleep deprivation. Up to 53% reported physical and psychological issues such as fatigue, insomnia, obesity, backache, joint and neck pain, poor vision, breathlessness, stress and loneliness.

लुब्रिकेंट निर्माता कैस्ट्रोल द्वारा किए गए 2018 के एक अध्ययन में दिखाए गए लगभग एक-चौथाई ट्रक ड्राइवरों ने नींद की कमी की शिकायत की। 53% तक ने शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मुद्दों जैसे थकान, अनिद्रा, मोटापा, पीठ दर्द, जोड़ों और गर्दन में दर्द, खराब दृष्टि, सांस फूलना, तनाव और अकेलापन बताया।

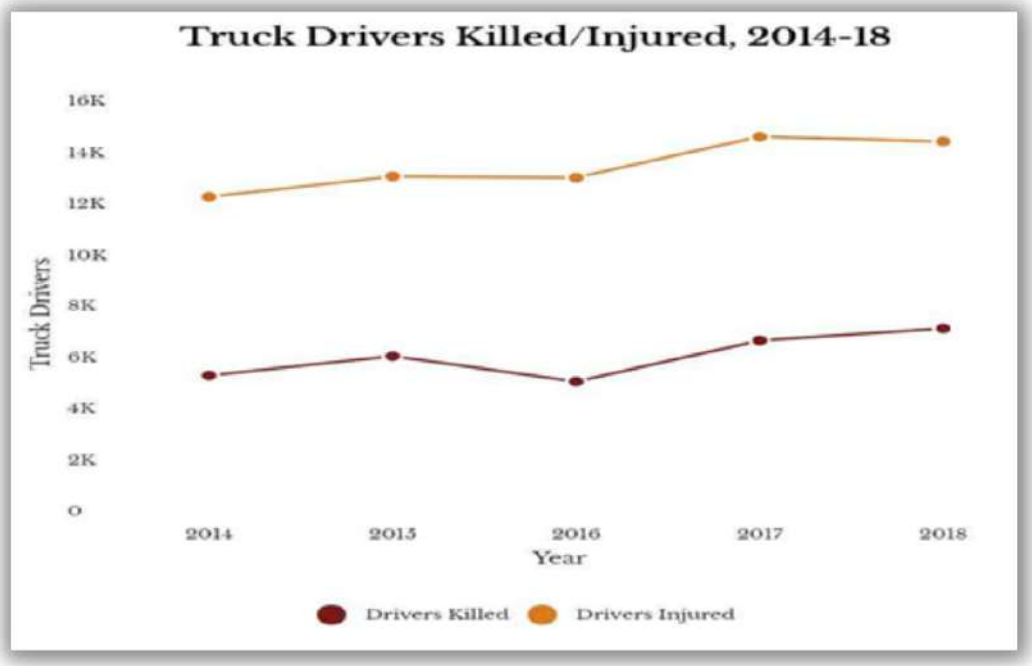

DELHI SKILL UNIVERSITY INKS PACT WITH LSC TO TRAIN STUDENTS FOR THE LOGISTICS SECTOR

The Delhi Skill and Entrepreneurship University (DSEU) on Monday inked a Memorandum of Understanding (MoU) with the Logistics Sector Skill Council (LSC) to launch an apprenticeship embedded 3-year Bachelor of Management Studies (BMS) program in e-Commerce and land transportation.

As per the statement the courses are curated as apprenticeship based undergraduate degree programs, keeping in mind the UGC Guidelines, with the primary objective of creating adequate skills and knowledge for gainful employment at the supervisory level in the Logistics Sector.

The program is expected to commence as part of the first academic session 2021-22 from October onwards.

दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (DSEU) ने सोमवार को लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल (LSC) के साथ एक अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड 3-वर्षीय बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (BMS) प्रोग्राम ई-कॉमर्स और भूमि परिवहन में शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

जारी बयान के अनुसार, लाभकारी रोजगार के लिए पर्याप्त कौशल और ज्ञान पैदा करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को शिक्षुता आधारित स्नातक डिग्री कार्यक्रमों के रूप में तैयार किया गया है। रसद क्षेत्र में पर्यवेक्षी स्तर पर।

यह कार्यक्रम अक्टूबर से पहले शैक्षणिक सत्र 2021-22 के हिस्से के रूप में शुरू होने की उम्मीद है।

AMAZON LAUNCHES MEGA LOGISTICS HUB IN BENGALURU TO MEET FESTIVE DEMAND

Amazon India, ahead of the upcoming festive season, has launched a new delivery station in Bengaluru which will expand its last-mile delivery network and ensure faster deliveries across the city.

This new facility is the largest delivery station in Karnataka out of the existing 130 Amazon-owned and partnered stations and is spread across nearly 30,000 sq ft.

Amazon said that investing in delivery stations will not only enable seamless and faster last-mile deliveries of orders to customers in the region but also create local jobs in the city.

आगामी त्योहारी सीजन से पहले अमेज़न इंडिया ने बेंगलुरु में एक नया डिलीवरी स्टेशन लॉन्च किया है जो अपने अंतिम मील डिलीवरी नेटवर्क का विस्तार करेगा और पूरे शहर में तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित करेगा।

यह नई सुविधा मौजूदा 130 अमेज़ॅन के स्वामित्व वाले और भागीदारी वाले स्टेशनों में से कर्नाटक में सबसे बड़ा डिलीवरी स्टेशन है और लगभग 30,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है।

एमेजॉन ने कहा कि डिलीवरी स्टेशनों में निवेश करने से न केवल क्षेत्र के ग्राहकों को ऑर्डर की निर्बाध और तेजी से डिलीवरी करने में मदद मिलेगी, बल्कि शहर में स्थानीय रोजगार भी पैदा होंगे।

MAERSK TO SET UP ITS FIRST UAE W&D FACILITY AT DP WORLD'S JAFZA

Maersk Kanoo UAE, an integrator of container logistics, on 22nd Sep signed an agreement with DP World's leading trade and logistics hub, Jebel Ali Free Zone (Jafza) to set up its first warehousing & distribution (W&D) facility in the UAE.

The 10,000 sq. mt. facility will be located within Jafza in Dubai.

"With its new W&D facility, Maersk is taking an important step towards building a truly integrated solution for its customers wherein the customers will get a single window access to multiple logistics requirements, not only for the goods flowing in and out of UAE, but also to other Middle Eastern countries who use Dubai as a gateway to global trade," reads the release.

कंटेनर लॉजिस्टिक्स के एक इंटीग्रेटर मेर्स्क कानू यूएई ने 22 सितंबर को यूएई में अपनी पहली वेयरहाउसिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन (डब्ल्यूएंडडी) सुविधा स्थापित करने के लिए डीपी वर्ल्ड के प्रमुख व्यापार और लॉजिस्टिक्स हब, जेबेल अली फ्री जोन (जाफजा) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

10,000 वर्ग मीटर। सुविधा दुबई में जाफजा के भीतर स्थित होगी।

रिलीज के अनुसार "अपनी नई डब्ल्यू एंड डी सुविधा के साथ, मार्सक अपने ग्राहकों के लिए वास्तव में एकीकृत समाधान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जिसमें ग्राहकों को न केवल संयुक्त अरब अमीरात में और बाहर बहने वाले सामानों के लिए, बल्कि कई रसद आवश्यकताओं के लिए एकल खिड़की पहुंच प्राप्त होगी, बल्कि यह भी अन्य मध्य पूर्वी देशों के लिए जो दुबई को वैश्विक व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में उपयोग करते हैं।"

ALLCARGO LOGISTICS TO ENTER CONTAINER TERMINAL BUSINESS

Allcargo Logistics is weighing a potential entry into container terminal operation business to tap synergies with the container freight stations (CFS) and inland container depots (ICD) the firm runs across India.

Allcargo Logistic runs container freight stations at Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT), Chennai, Mundra and Kolkata ports and an inland container depot in Dadri, Uttar Pradesh with a combined capacity to handle over one million twenty-foot equivalent units (TEUs), reports The Hindu BusinessLine.

“Some of the strategic objectives that we could explore would be whether it would make sense to get into container terminal operations,” Ravi Jakhar, chief strategy officer, Allcargo

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स कंटेनर टर्मिनल ऑपरेशन बिजनेस में संभावित प्रवेश का फैसला कर रहा है, कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (CFS) और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (ICD) के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए।

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी), चेन्नई, मुंद्रा और कोलकाता बंदरगाहों पर कंटेनर फ्रेट स्टेशन और दादरी, उत्तर प्रदेश में एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो चलाता है, जिसमें एक मिलियन से अधिक बीस-फुट समकक्ष इकाइयों (टीईयू) को संभालने की संयुक्त क्षमता है। द हिंदू बिजनेसलाइन।

ऑलकार्गो के मुख्य रणनीति अधिकारी रवि जाखड़ ने कहा, "कुछ रणनीतिक उद्देश्य जो हम तलाश सकते हैं, वह यह होगा कि क्या कंटेनर टर्मिनल संचालन में शामिल होना समझ में आता है।"

DWARF CONTAINER TRAIN FLAGS-OFF AT JNPT

In a major development at the Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT), one of India's premier container handling port, the Union Minister for Ports, Shipping, and Waterways Sarbananda Sonowal, virtually flagged-off the dwarf container train service from JNPT. With this, the first consignment of laden Dwarf containers from Dwarf container depot (DCD) at the port was being moved by train to ICD Kanpur.

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) में एक प्रमुख विकास में, भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पोर्ट में से एक, केंद्रीय बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने जेएनपीटी से ड्वार्फ कंटेनर ट्रेन सेवा को वस्तुतः हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही बंदरगाह पर ड्वार्फ कंटेनर डिपो (डीसीडी) से लदे ड्वार्फ कंटेनरों की पहली खेप ट्रेन से आईसीडी कानपुर ले जाया जा रहा था.

Furthermore, the 'Dwarf' containers provide a 67% increase in volume when double-stacked and can carry a weight of 71 tons, against 40 tons by an ISO container. In addition, Indian Railways has offered 17% discount on haulage cost compared to double stack ISO container trains, resulting in an overall 33% discount to shippers making Indian Railways competitive. Thus the rail movement of cargo through Dwarf containers has the potential to lower the EXIM logistics costs, making Indian exports globally competitive.

As the name suggests, the 'Dwarf Containers' are lesser in height by 660 mm than normal ISO containers, giving them a logistical edge. The Low height of dwarf container loaded on trailers can pass through rural, semi urban and urban roads, through limited height subways & level crossing in electrified sections.

इसके अलावा, 'बौना' कंटेनर डबल-स्टैक्ड होने पर वॉल्यूम में 67% की वृद्धि प्रदान करते हैं और आईएसओ कंटेनर द्वारा 40 टन के मुकाबले 71 टन वजन ले सकते हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने डबल स्टैक आईएसओ कंटेनर ट्रेनों की तुलना में ढुलाई लागत पर 17% की छूट की पेशकश की है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे को प्रतिस्पर्धी बनाने वाले शिपर्स को कुल मिलाकर 33% छूट मिली है। इस प्रकार बौने कंटेनरों के माध्यम से कार्गो की रेल आवाजाही में एक्जिम लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने की क्षमता है, जिससे भारतीय निर्यात विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो जाता है।

जैसा कि नाम से पता चलता है, 'बौने कंटेनर' सामान्य आईएसओ कंटेनरों की तुलना में ऊंचाई में 660 मिमी कम होते हैं, जिससे उन्हें एक लॉजिस्टिक बढ़त मिलती है। ट्रेलरों पर लोड किए गए बौने कंटेनर की कम ऊंचाई ग्रामीण, अर्ध शहरी और शहरी सड़कों से, सीमित ऊंचाई वाले सबवे और विद्युतीकृत वर्गों में समपार के माध्यम से गुजर सकती है।